Written by कुमार सौवीर
Wednesday, 09 November 2016 11:02

: □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□ 11 □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□ : □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ : □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□, □□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□□□□ :

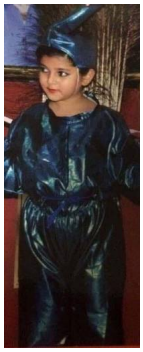

□□□□□□□□ : □ कतरफ चंडीगढ से खबर आ रही है कि फसल का अवशेष (पराली) जलाने पर पति की शकियत करने उस पर जुर्माना कराने वाली कशिोरी को प्रदूषण नयिंत्रक बोर्ड सम्मानति कयिा जा□गा□ बोर्ड उसे 11 हजार रुपये और प्रशस्तपित्र देकर सम्मानति करेगा□ दीपावली पर लोगों खासकर बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रतजिागरूक करने के लि□ यह कदम उठाया गया है□ उसी दूसरी ओर दलि्□ली की □कनन्□हीं बच्□ची पलाक्षी ने दलि्□ली के प्रदूषण के खलिाफ बाकायदा जेहाद छेड़ दयिा है□ इस नन्□हीं पर्यावरण-परी ने संकल्□प लयिा है कि वह न तो पटाखा चलायेगी, और न ही इस बारे में लोगों को जागरूक भी करेगी□

बता दें कि जींद जलि के गांव ढाकल नविासी सोनाली श्योकंद ने स्थानीय प्रदूषण नयिंत्रक अधकिारयिों को पति द्वारा पराली जलाने की रपिोर्ट दर्ज कराई थी□ सोनाली ने कहा कि समझाने के बावजूद पति मानने को तैयार नही थे और धान की फसल काटने के बाद खेत में ही पराली जला दी□ कसिान को 2500 रुपये का जुर्माना लगाया गया□ प्रदूषण नयिंत्रण बोर्ड के अधकिारयि के अनुसार, पर्यावरण बचाने के लि□ कशिोरी की सोच को सलाम करते हु□ उसे सम्मानति कयिा जा□गा□ बोर्ड अधकिारयिों को उम्मीद है कि इससे अन्य बच्चों, युवाओं और कसिानों को फसल अवशेष जलाने से रोकने की प्रेरणा मलिेगी□

बता दें कि हरयिाणा सहति कई राज्यों में खेतों में पराली जलाने से भारी वायू प्रदूषण होता है और ठंड के मौसम में यह घने कोहरे में तब्दील हो जाता है□ इससे लोगा को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है□ सरकार ने खेतों में पराली जलाने पर रोक लगा रखी है, इसक बावजूद कसिान इससे बाज नहीं आ रहे□ सोनाली श्योकंद के रांज्य में फसलों के अवशेष न जलाने के लि□ दि□ ग□ अपने इस महत्वपूर्ण योगदान के लि□ 11,000 रुपये की नक्द राशि देकर सम्मानति कयिा जा□गा□

राष्ट्रीय राष्ट्रीय ग्रीन ट्रबि्यूनल, नई दलि्ली ने राज्य प्रदूषण नयिंत्रक बोर्ड और राज्य सरकार को फसल के अवशेष जलाने के बारे में जलि स्तर पर जागरूक्ता लाने के लि□ कमटिी गठति करने के नरि्देश दि□ थे□ ये कमटियिां कैंपेन के माध्यम से पराली जलाने के मामलों की रोकथाम के लि□ नगिरानी करेंगी□ बोर्ड अधकिारयिों को आशा है कि इससे अन्य बच्चों, युवाओं और कसिानों को वर्तमान कटाई मौसम में फसलों के अवशेष जलाने को रोकने के लि□ प्रेरणा मलिेगी□ उन्होंने उम्मीद जताई कि बच्चों को ग्रीन दीपावली मनाने को प्रोत्साहति कयिा जा□गा ताकि पटाखों का कम से उपयोग हो और दलि्ली व □नसीआर क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को कम कयिा जा सके□

Written by कुमार सौवीर
Wednesday, 09 November 2016 11:02

उधर दक्षिण दिल्ली में एक बच्ची ने पटाखों को नो कह दिया। एक पत्रकार शीतल सिंह की पोती पलाक्षी दक्षिण दिल्ली के वसंत कुंज में रहती है। नाम है आनंद निकेतन वाला माउंट कार्मल स्कूल। उसने इस बार तय कर लिया कि वह दीपावली में प्रदूषण के कारक तत्वों का बहिष्कार कर लेगी। कक्षा एक में पढ़ने वाली इस बच्ची को उसके दादा शीतल पर्यावरण-परी कहते हैं। शीतल ने बताया कि इस नन्हीं सी परी पलाक्षी ने इस साल एक भी पटाखा नहीं चलाया। इतना ही नहीं, उसने आसपास की कालोनियों के बच्चों को भी प्रदूषण के खतरों को लेकर उन्हें जागरूक किया और अपील की कि आइंदा वे भी पटाखा ही नहीं, बल्कि ऐसा कोई भी काम नहीं करेंगे, जिससे दिल्ली या हमारे समाज के आसपास प्रदूषण बढ़े। उसकी अपील है कि वे सब मिल कर पौधारोपण करें।